IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 3, July 2025
Impact Factor: 7.67

स्वच्छता अभियान का इन्दौर शहर के स्वास्थ्य पर प्रभाव

कु. शिल्पा कैथवास

शोधार्थी, वाणिज्य विभाग,

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, श्री अटल बिहारी वाजपेजी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इन्दौर म.प्र.

डॉ. आशीष पाठक

प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग,

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, श्री अटल बिहारी वाजपेजी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इन्दौर म.प्र.

शोध सारांश

कहा जाता है कि स्वच्छता ही स्वस्थ्य जीवनशैली का प्रतीक है और स्वच्छता ही सकारात्मक विचारों की आधारशिला है। उक्त विचारधारा वर्तमान समय में सत्य सिद्ध हो रही है, भारत स्वच्छता अभियान अपनी चरम सीमा पर है अर्थात् सम्पूर्ण विश्व में भारत स्वच्छता अभियान की ही चर्चा है। इसी बीच भारत का इन्दौर शहर, सबसे स्वच्छ शहर की विमल पताका फहरा रहा है। इंदौर में जहाँ देखों वहाँ स्वच्छता ही विद्यमान है, और स्वच्छ स्थानों पर स्वास्थ्यवर्धक, वातानुकूलित वातावरण स्वयं ही विद्यमान हो जाता है। इन्दौर स्वच्छ अभियान के दौरान इन्दौर शहर के नागरिकों की स्वच्छ व स्वस्थ्य जीवनशैली को देखकर यही प्रतीत होता है कि सच में स्वच्छता ही स्वस्थ्य व स्वास्थ्यवर्धक जीवन का सशक्त प्रमाण है।

शोध परिचय

प्रस्तुत शोध पत्र में शोधार्थी द्वारा इन्दौर शहर के स्वच्छ व स्वास्थ्यवर्धक वातावरण पर प्रकाश डाला गया है, अतः यह कहा जा सकता है कि इन्दौर स्वच्छ अभियान के पश्चात यहाँ के नागरिकों पर स्वास्थ्य संबंधी कई सकारात्मक प्रभाव हुए है तथा लोग पहले की अपेक्षा कम बीमार हो रहे है जिससे बीमारियों पर होने वाले खर्च में कमी आई है। लोग आर्थिक रूप से सशक्त हुए है, यदि वर्तमान समय की बात करे तो 2023–24 में बीमारियों में 70 फीसदी गिरावट आई है साथ ही दवाओं की बिक्री भी 20 करोड़ तक घटी है। इन्दौर स्वास्थ्य विभाग के अनुसार 2023–24 में 15 फीसदी दवाओं का कम वितरण किया गया तथा भारत स्वच्छता अभियान के परिणामस्वरूप प्रत्येक भारतीय परिवार को वार्षिकी 50,000/– रूपये तक की बचत हुई है। स्वच्छता अभियान के अनुकूल प्रभाव से वातावरण शुद्ध हुआ जिससे वायु प्रदूषण कम हुआ, जिसके परिणामस्वरूप श्वसन संबंधी बीमारियों की रोकथाम संभव हुई। स्वच्छता अभियान के बाद ही नागरिकों में स्वच्छता व स्वास्थ्य के घनिष्ठ संबंध को जाना है। शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत शोध पत्र का शीर्षक ''स्वच्छता अभियान का इन्दौर शहर के स्वास्थ्य पर प्रभाव'' पर आधारित है। स्वच्छ भारत अभियान का आधार स्वच्छता सुविधाओं जैसे कि स्वच्छ शौचालय, ठोस व तरल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली एवं कचरा निस्तारण प्रणाली, शहर में साफ–सफाई तथा सुरक्षित एवं पर्याप्त पेयजल आपूर्ति को प्रत्येक व्यक्ति को उपलब्ध कराना है। भारत स्वच्छता अभियान, भारत सरकार द्वारा प्रारम्भ किया गया था, स्वच्छ भारत अभियान एक राष्ट्रीय स्तर का अभियान है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गलियों, सड़कों एवं अंधोसंरचना को स्वच्छ रखना तथा उचित कचरा निपटान है। भारत स्वच्छता अभियान 2 अक्टूबर 2014 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सम्पूर्ण देश में शुरू किया इसके बाद से ही सर्वत्र स्वच्छता ने वृहद् अभियान का रूप ले लिया। अभियान के दौरान देश का प्रत्येक नागरिक स्वच्छता के प्रति सजग हुआ है,

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 3, July 2025 Impact Factor: 7.67

प्रत्येक शहर, देश हो या राष्ट्र सभी में स्वच्छता की होड़ सी लगी है। परन्तु भारत का इन्दौर शहर पिछले आठ वर्षों से स्वच्छता में प्रथम श्रेणी पर रहा है, इन्दौर शहर में नियमित रूप से साफ–सफाई, शत–प्रतिशत कचरा निपटान हो रहा हैं इन्दौर नगर निगम द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत विभिन्न विकासात्मक कार्य किए जा रहे है, इन्दौर नगर निगम द्वारा कचरे की जटिल समस्या से निपटने हेतु 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं कचरा निस्तारण प्रणाली जैसी श्रेष्ठतम व उपयोगी वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाया गया जिससे कचरे का उचित निपटान सम्भव हो पाया। कचरे से वेस्ट से बेस्ट बनाकर इन्दौर नगर निगम कचरें को आय का साधन बनाने में सफल रहा। भारत सवच्छता अभियान के बाद से इन्दौर शहर का वातावरण साफ स्वच्छ व स्वास्थ्यवर्धक हो गया है। स्वच्छता अभियान के पूर्व की तुलना में इन्दौर शहर के नागरिकों में स्वास्थ्य समस्याएँ कम हुई, लोग पूर्व की अपेक्षा कम बीमार हो रहे है। फलस्वरूप दवाईयों पर होने वाले खर्च में गिरावट आई है तथा लोग आर्थिक रूप से सशक्त हुए है। कई सामाजिक संगठनों तथा निजी कम्पनियों ने भी इस स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहयोग दिया और डिजिटल मीडीया के साथ भारत स्वच्छता अभियान को लोगों तक पहुँचाया गया, जिसके परिणामस्वरूप लोगों के जीवन स्तर में भी सुधार हुआ तथा समाज में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हुआ। स्वच्छ भारत अभियान स्वास्थ्य सुधार की दिशा में एक क्रांतिकारी अभियान तो है ही, साथ ही यह प्रत्येक नागरिक को बेहतर जीवनशैली प्रदान करने हेतु एक अनोखी पहल है।

शब्दकुंजी – स्वच्छता अभियान, स्वच्छ जीवनशैली और स्वास्थ्य तथा उनके सकारात्मक प्रभाव और उनके आर्थिक लाभ।

स्वच्छता अभियान

भारत स्वच्छता अभियान के पश्चात् स्वच्छता ही मनुष्य के जीवन का अभिन्न व मुख्य अंग बन गयी है। नागरिकों में एक नई विचारधारा विकसित हुई है कि स्वच्छता ही स्वस्थ्य जीवन का प्रतीक है, यदि स्वास्थ्यवर्धक जीवन–यापन करना है, तो अपने आसपास वातावरण स्वच्छ रखना होगा। स्वच्छता ही जीवन का मूलमंत्र है, तथा सकारात्मकता का स्त्रोत है, स्वस्थ्य रहने के लिए स्वच्छता अनिवार्य है। स्वच्छता अभियान के पश्चात् ही इन्दौर शहर के नागरिकों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव हुए है, लोग पहले की अपेक्षा कम बीमार हो रहे है।

स्वच्छ भारत अभियान भारत सरकार द्वारा प्रारम्भ की गई एक मुख्य पहल है जिसका मुख्य उद्देश्य पूरे देश को स्वच्छ व खुले में शौच मुक्त बनाना है। प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी की 145 वीं जयंती पर, नई दिल्ली के राजघाट से इस अभियान की सर्वोतम शुरुआत की।

स्वच्छ भारत अभियान के परिणामस्वरूप हमारा देश एक स्वस्थ व स्वच्छ भविष्य की ओर अग्रसर हुआ है। महात्मा गांधी जी का मत था कि स्वच्छता ही समाज हेतु बुनियादी व सशक्त आवश्यकता है। स्वच्छ भारत अभियान, जिसे भारत स्वच्छता अभियान अथवा स्वच्छ भारत मिशन कहा जाता है, भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक अति महत्वपूर्ण अभियान है, इस अभियान में देश के प्रत्येक नागरिक की भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया है। जिससे इस अभियान को एक सफल जन – आन्दोलन के रूप में स्थापित किया जा सके।

स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत विभिन्न सरकारी योजनाओं व कार्यक्रमों को संचालित किया जा रहा है, जैसे – "स्वच्छता ही सेवा" और "स्वच्छ ग्रामीण भारत" कार्यक्रम आदि। भारत स्वच्छता अभियान सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिवर्तन को प्रोत्साहित करता है, जिससे मानव समाज में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक परिवर्तन आए।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 3, July 2025 Impact Factor: 7.67

स्वच्छ भारत अभियान ने विश्व स्तर पर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया है तथा अभियान के अंतर्गत अभी तक लाखों शौचालयों का निर्माण किया जा चुका है। खुले में शौच की प्रवृत्ति को कम किए जाने के लिए भारत सरकार प्रयासरत है, कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाए जाने हेतु श्रेष्ठतम उपाय किए जा रहे हैं।

स्वच्छता के प्रति लोग सजग हुए है, जिससे उनके स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव हुए है। इस अभियान की सफलता प्रत्येक भारतीय की भागीदारी पर निर्भर करती है ताकि एक स्वच्छ, स्वस्थ व सुन्दर भारत का निर्माण किया जा सके। इस अभियान में आम नागरिकों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जागरूकता कार्यक्रम, स्वच्छता रैलियां, एवं स्कूलों में स्वच्छता शिक्षा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त कई सामाजिक संगठनों व निजी कम्पनियों ने भी इस अभियान में सक्रिय योगदान दिया है।

शोध का उद्देश्य

प्रत्येक शोध का एक निश्चित उद्देश्य होता है अतः प्रस्तुत शोध में शोधार्थी का उद्देश्य इस बात का अध्ययन करना था कि स्वच्छ भारत अभियान के बाद से इन्दौर स्वच्छता के साथ स्वास्थ्यवर्धक शहर भी बन गया।

इन्दौर जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्राप्त 'संक्रमण जनित बीमारियों के वर्षवार आँकड़ों द्वारा यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि, अभियान के बाद बीमारियों में कमी आई है। तालिका निम्नानुसार है –

क्रं.	वर्ष	मलेरिया	डेंगू	चिकन गुनिया	जपानीस एंसीफेलाईसिंग	कालाजार	फाइलेरिया
1.	2015	91	145	0	0	0	0
2.	2016	62	155	2	0	0	0
3.	2017	77	167	36	1	0	0
4.	2018	49	358	0	0	0	0
5.	2019	32	356	0	0	0	0
6.	2020	21	86	0	0	0	0
7.	2021	15	1201	0	0	0	0
8.	2022	06	242	0	0	0	0
9.	2023	11	458	11	0	0	0
10.	2024	07	550	20	0	0	0

स्त्रोतः जिला स्वास्थ्य विभाग, इन्दौर

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 3, July 2025
Impact Factor: 7.67

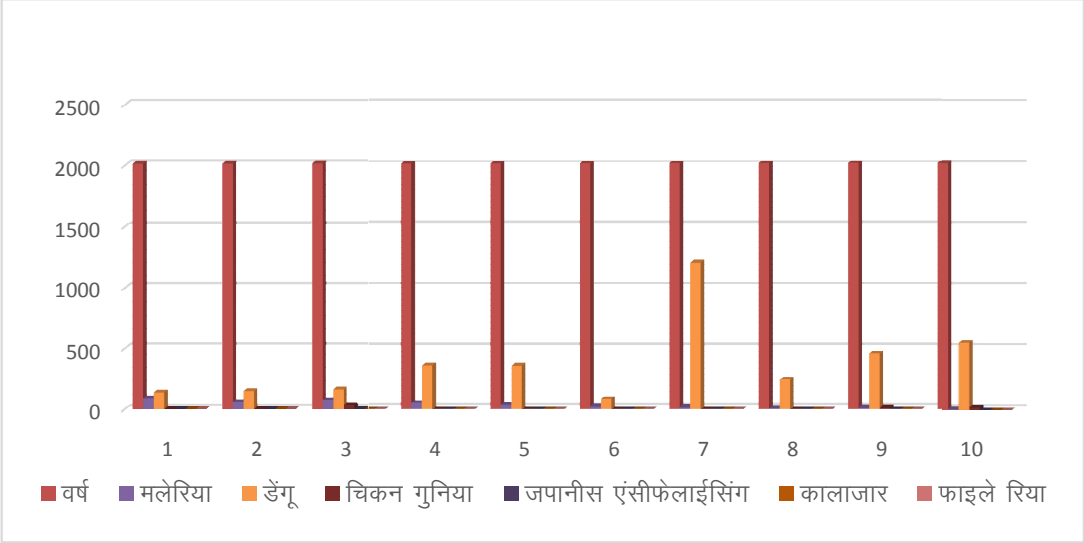

शोध प्रविधि

शोध प्रविधि का आशय शोध कार्य को पूर्ण करने हेतु उपयोग की गई वैज्ञानिक विधि व उनके अनुप्रयोग से है। शोध एक वृहद प्रक्रिया है जिसे पूर्ण करने हेतु एक सुनिश्चित प्रविधि का अनुसरण करना अतिआवश्यक है जिसे शोध प्रविधि कहते है जिसके अन्तर्गत तथ्यों का अवलोकन, वर्गीकरण और निर्वाचन करने के साथ–साथ विश्लेषण करना होता है।

शोध प्रविधि एक वैज्ञानिक तथा सुव्यवस्थित विधि है जिसका उपयोग शोध कार्य को पूरा करने हेतु किया जाता है। प्रमाणिकता के साथ शोध अध्ययन करने अथवा अन्वेषण सम्पूर्ण करने हेतु शोध प्रविधि एक वैज्ञानिक विधि है। शोध प्रविधि एक विधि या तरीका है जिसका उपयोग शोधकर्ता अपना शोध कार्य पूर्ण करने हेतु करते है। शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत शोध पत्र में वर्णनात्मक पद्धति का उपयोग किया गया है तथा द्वितीयक समंकों के आधार पर शोध पत्र प्रस्तुत किया है अतः द्वितीयक समंकों का प्रयोग किया गया है। शोधार्थी द्वारा इन्दौर 'जिला स्वास्थ्य विभाग' से वर्ष 2015 से 2024 तक के स्वास्थ्य सम्बंधी आँकड़ों को एकत्रित किया गया है।

निष्कर्ष

शोध अध्ययन के उपरांत निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि भारत स्वच्छता अभियान के दौरान इन्दौर शहर स्वच्छता पैमाने पर 2014 से निरंतर खरा उतरा है। स्वच्छता ने एक स्वस्थ्य एवं स्वास्थ्यवर्धक इन्दौर शहर को जन्म दिया, जिसका सकारात्मक प्रभाव इंदौर शहर के नागरिकों पर देखा जा सकता है, लोग पहले की अपेक्षा कम बीमार हो रहे है, बीमारियाँ घटी है, जिससे बीमारियों पर होने वाले खर्च में 70 से 80 फीसदी कमी आई है तथा दवाओं की बिक्री में पहले की अपेक्षा 20 करोड़ की कमी हुई हैं। इन्दौर के नागरिक इस बात से अवगत हुए है कि स्वच्छता में ही स्वास्थ्यवर्धक जीवन का वास है, वर्तमान में यहाँ के नागरिक एक स्वस्थ्य जीवन व्यतीत कर रहे है तथा शहर के नागरिक आर्थिक रूप से सशक्त हुए है।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 3, July 2025 Impact Factor: 7.67

संदर्भ ग्रंथ सूची

पुस्तकें

पुस्तक का नाम		लेखक
स्वच्छता मनुष्य का गौरव	–	पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
भारत में स्वच्छता अभियान	–	महीपाल
स्वच्छ इन्दौर	–	पी. नरहरि, आई.ए.एस.

समाचार पत्र

दैनिक भास्कर

पत्रिका

नईदुनिया

इंटरनेट / वेबसाईट

https://www.smartcityindore.org

https://www.bhaskar.com/mp/indore/news

https://www.patrika.com